1.5
Kaur
16.2.26

श्री राणा रणधीर, स०वि०स०/ श्री अनिल सिंह, स०वि०स०/ श्री सचीन्द्र प्रसाद सिंह, स०वि०स०/ श्री विनय कुमार सिंह, स०वि०स०/ श्री सियाराम सिंह, स०वि०स०/ श्री अरूण कुमार, स०वि०स० एवं श्री प्रमोद कुमार, स०वि०स० से प्राप्त ध्यानाकर्षण

सूचना का उत्तर प्रतिवेदन

प्रश्न	उत्तर
"राज्य की अनेक छोटी एवं मौसमी नदियों जैसे फल्गु, पुनपुन, किऊल-हरोहर, बदुआ, चानन, धनौती, सकरी, बकरा, तिलावे, करमनाशा, पंचाने, दरबा, कछुआ नाला, चकनाहा तथा स्थानीय धाराएँ वर्षा ऋतु समाप्त होते ही सूख जाती है। इसके परिणामस्वरूप ग्रामीण एवं अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में भूजल स्तर निरंतर चिंताजनक रूप से नीचे जा रहा है। नदियों पर वर्षाजल संचयन हेतु चेक डैम निर्माण, जल-संरक्षण संरचनाएँ एवं स्थायी उपाय नहीं किये गए हैं, जिससे बहुमूल्य वर्षाजल बिना उपयोग के बहकर नष्ट हो जाता है। इसका प्रतिकूल प्रभाव किसानों पर पड़ रहा है, जिन्हें सिंचाई के अभाव में फसल उत्पादन में कमी झेलनी पड़ती है। पशुपालकों को पशुओं के पेयजल में कठिनाई तथा आम नागरिकों को ग्रीष्म ऋतु में घरेलू जल संकट का सामना करना पड़ता है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो	• वस्तुस्थिति यह है कि :- • जहानाबाद एवं नालंदा जिला में फल्गू नदी पर उदेरास्थान बराज योजना, मंडई सिंचाई योजना तथा राढ़िल सिंचाई योजना निर्मित है, जिससे कुल 50,759 हे० क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जाती है। • नवादा एवं नालंदा जिला में सकरी नदी पर सकरी सिंचाई योजना, दरियापुर सिंचाई योजना तथा सदरपुर सिंचाई योजना निर्मित है, जिससे कुल 45,630 हे० क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जाती है। • नालंदा जिला में पंचाने नदी पर पंचाने सिंचाई योजना, दैली सिंचाई योजना, देकपुरा सिंचाई योजना तथा मई फरीदा सिंचाई योजना निर्मित है, जिससे कुल 14,763 हे० क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जाती है। • वर्तमान में गंगा जल आपूर्ति योजना के द्वारा राजगीर शहर के 19 वार्डों के 8031 घरों, गया शहर के 73000 घरों, बोधगया शहर के 5600 घरों तथा नवादा शहर के 17 वार्डों के 13965 घरों में निर्बाध घरेलू उपयोग हेतु सफलतापूर्वक जल आपूर्ति की जा रही है तथा इन शहरों में भू-गर्भ जल में भी वृद्धि हो रही है। • बदुआ नदी पर बांका जिलांतर्गत चानन प्रखंड में बदुआ (हनुमना) डैम निर्मित है, जिससे बांका, भागलपुर एवं मुंगेर जिला के कुल 45,850 हे० क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जाती है। • चांदन नदी पर बांका जिलांतर्गत बौंसी प्रखंड में चांदन डैम निर्मित है, जिससे बांका एवं भागलपुर जिला के कुल 75,000 हे० क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जाती है। • अपर किउल नदी पर जमुई जिलांतर्गत खैरा प्रखंड में गरही डैम निर्मित है, जिससे जमुई जिला के कुल 21,800 हे० क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जाती है। • अपर किउल नदी पर लखीसराय जिलांतर्गत चानन प्रखंड में कुंदर बराज निर्मित है, जिससे लखीसराय जिला के कुल

राज्य भीषण जल संकट की चपेट में आ सकता है। अतः जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण एवं वर्षाजल संचयन सुनिश्चित करने के लिए बिहार की नदियों पर व्यापक स्तर पर चेक डैम एवं जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण हेतु सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हैं।"	28,240 हे॰ क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी ज़ाती है। • वर्तमान में अपर किउल नदी की सहायक बरनार नदी पर जमुई जिलांतर्गत सोनो प्रखंड में बरनार डैम का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है, जिससे जमुई जिला के कुल 22,226 हे॰ क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। • औरंगाबाद जिला के गोह प्रखंड अंतर्गत हमीदनगर ग्राम के पास पुनपुन नदी पर पुनपुन बराज का निर्माण किया गया है । पुनपुन बराज योजना के अधीन नहर प्रणाली के निर्माण में आ रहे भू-अर्जन की समस्या को देखते हुए उद्वह सिंचाई योजना के तहत भूमिगत प्रेशराईज्ड पाइप के माध्यम से सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने हेतु योजना का अनुमोदन प्राप्त करने की करवाई की जा रही है। • उक्त योजना के क्रियान्वयन के फलस्वरूप औरंगाबाद जिला के गोह प्रखंड में 2256.64 हेक्टेयर, अरवल जिला के सोनभद्र बंशी सूर्यपुर कुर्था एवं करपी प्रखंड में 5945.96 हेक्टेयर, जहानाबाद जिला के रतनी फरीदपुर एवं जहानाबाद प्रखंड में 6191.32 हेक्टेयर तथा पटना जिला के पालीगंज, मसौढ़ी एवं पुनपुन प्रखंड में 16207.60 हेक्टेयर अर्थात कुल 30601.52 हेक्टेयर कृष्य कमाण्ड क्षेत्र (सी॰सी॰ए॰) में सिंचाई सुविधा मुहैया कराया जा सकेगा। • बकरा नदी बिहार के अररिया एवं पूर्णिया जिले से होकर गुजरती है। अररिया एवं पूर्णिया जिले के क्रमशः 1,11,614 हे॰ एवं 1,06,243 हे॰ क्षेत्र में पूर्वी कोशी नहर प्रणाली से सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। • धनौती नदी बिहार के पूर्वी चम्पारण जिले से होकर गुजरती है। पूर्वी चम्पारण जिले के 1,47,643 हे॰ क्षेत्र में पूर्वी गंडक नहर प्रणाली से सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। • तिलावे नदी बिहार के सुपौल, मधेपुरा, सहरसा एवं खगड़िया जिले से होकर गुजरती है। सुपौल, मधेपुरा, सहरसा एवं खगड़िया जिले के क्रमशः 94,912 हे॰,78,067 हे॰, 32,383 हे॰ एवं 1,355 हे॰ क्षेत्र में पूर्वी कोशी नहर प्रणाली से सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। • उक्त के अतिरिक्त जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण एवं वर्षाजल संचयन सुनिश्चित करने के लिए "तटबंध जल श्रृंखला" योजना के गठन एवं पालयट क्रियान्वयन की कार्रवाई की जा रही है।

17

बिहार सरकार
जल संसाधन विभाग

ज्ञापांक :– 26 / वि0स0–06–01 / 2026 पटना / दिनांक .....

प्रतिलिपि :–अवर सचिव, बिहार विधान सभा सचिवालय, पटना के पत्रांक–38 दिनांक–03.02.2026 के आलोक में ध्यानाकर्षण सूचना का अनुमोदित उत्तर प्रतिवेदन पाँच प्रतियों सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

ह0 / –
(अनिल कुमार पाण्डेय)
सरकार के उप सचिव

ज्ञापांक :– 26 / वि0स0–06–01 / 2026 पटना / दिनांक :.....

प्रतिलिपि : उप सचिव, संसदीय कार्य विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

ह0 / –
(अनिल कुमार पाण्डेय)
सरकार के उप सचिव

ज्ञापांक :– 26 / वि0स0–06–01 / 2026 पटना / दिनांक :.....

प्रतिलिपि : अधीक्षण अभियंता, योजना एवं मोनिटरिंग, अंचल–02 एवं 03, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

ह0 / –
(अनिल कुमार पाण्डेय)
सरकार के उप सचिव

ज्ञापांक :– 26 / वि0स0–06–01 / 2026 956 पटना / दिनांक : 16/2/26

प्रतिलिपि : प्रशाखा पदाधिकारी, प्रशाखा–17, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना एवं कार्यपालक अभियंता आई0टी0 सेंटर, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

16/2/26

(अनिल कुमार पाण्डेय)
सरकार के उप सचिव